Chapter 2 – Literary Writing (साहित्यिक लेखन)

प्रश्न 1: स्वयं को सब्ज़ीवाले, माली या चौकीदार के रूप में रखकर देखिए। किसी एक के रूप में अपने को रखकर आत्मकथा लिखिए।

उत्तर- सब्जी विक्रेता का जीवन आसान नहीं है। हर दिन मैं उठता हूं और सोचता हूं कि मैं ज्यादा से ज्यादा सब्जी कैसे बेच सकता हूं। मैं अपना व्यवसाय सुबह जल्दी शुरू करता हूं और प्रत्येक सड़क पर चलते हुए और अपने सिर पर सब्जी की टोकरी ले जाता हुआ चिल्लाता हूं। कुछ लोग मुझे देखते हैं और कुछ लोग अनदेखा कर देते हैं और कुछ लोग मेरी आवाज़ सुन कर सब्जी खरीदने आते हैं। कुछ लोग मुझसे दाम कम करवाते हैं, जो मेरे अनुसार बहुत गलत है। मैं एक या दो रुपये का लाभ कमाता हूं और यह वे भी कम करना चाहते हैं। वे हम छोटे विक्रेताओं की दुर्दशा नहीं समझते। मैं आमतौर पर अपनी छोटी सी जमीन में सब्जी उगाता हूं। सब कुछ ताजा और स्वच्छ है। मैं अपनी सारी सब्जी बेचने की कोशिश करता हूं और दिन के अंत में मैं मुस्कुराता हुआ चेहरा और थोड़े पैसे के साथ घर जाना चाहता हूं जो मैंने अपनी मेहनत से कमाया है।

Question 1:
Imagine yourself as a vegetable vendor, a gardener, or a watchman. Write an autobiographical note as any one of them.

Answer 1:

<u>Autobiographical note as a vegetable vendor:</u>

- I work as a vegetable vendor in order to earn and have basic amenities of life for me and my family.
- My son is also working as a vegetable vendor under my guidance.
- My day-to-day work involves purchasing vegetables from wholesalers and selling it to the local consumers.
- The sale of vegetables takes place by selling them at different markets.
- My son has to work the whole day in every weather for making money.

प्रश्न 2: अपनी कल्पना से किसी पक्षी, कागज़, या एक रुपये के सिक्के की आत्मकथा लिखिए।

उत्तर- यहां तोता जो हरे रंग का एक खूबसूरत पंछी है उसका आत्मकथा लिखा गया है। आत्मकथा कुछ इस प्रकार है -" मैं जंगल में रहने वाला एक जंगली तोता हूँ। मैं अपने माता पिता के साथ एक पेड़ पर घोसला में रहता हूँ। मेरे माता पिता ने मुझे उड़ना सिखाया है। एक दिन जब हम खाने की खोज में निकले तब उन्हें एक इंसान ने अपनी जाल में पकड़ लिया। उस दिन मैंने इंसान की क्रूरता को जाना और वह कैसे हमारे जैसे मासूम पंछियों और जानवरों को अपने शौख के लिए पकड़ लेते

हैं और हमे हमारे परिवार से दूर कर देते हैं। इंसान बहुत अहंकारी जानवर है वह अहंकार में आकर पुरे पृथ्वी को नष्ट कर रहा है। मै और मेरे दोस्त जितना दूर हो सकते उतना दूर इन इंसानो से रहते हैं। हम खुले आसमान में उड़ते हुए अपने आज़ादी का आनंद उठाते हैं। "

Question 2:
Use your imagination and write an autobiography of a bird, a paper, or a one-rupee coin.

Answer 2:

Autobiographical note as a coin:

- My whole life has been spent inside the pockets of people and inside the bank lockers.
- I have been transferred from the pocket of one individual to another individual's pocket on a daily basis.
- Over time my importance is being reduced because of the issuing of new notes. People now prefer to use notes over coins.
- Now I fear that one day I will be completed by the notes and will be vanished completely.

प्रश्न 3: 'पालतू पक्षी का उड़ती चिड़िया के नाम पत्र' अपनी कल्पना से लिखिए।

उत्तर- एक पिंजरे में बंद पंछी अपने खुले आसमान में उड़ने वाले दोस्तों को अपनी दिल की व्यथा सुनते हुए पत्र लिखता है। वह उनसे पूछता है की घने जंगलों के बीच रहने में कितना आनंद आता होगा। इसे बचपन में ही पकड़ लिया गया था और इंसानो द्वारा बेच दिया गया था तबसे इसका जीवन वही एक छोटा सा पिंजरा रह गया है। जहाँ से वो रोज़ खुले आकाश को देखता है और सोचता है खुले आसमान में स्वतंत्र रूप से उड़ना कैसा होगा। वह अपने कल्पना का इस्तेमाल करके अपने साथियों से पूछता है से की ऊपर से ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों को देखना, गहरे समंदर को देखना कैसा लगता होगा। वह यह सोच कर दुखी हो जाता है कि वह कभी इन चीज़ों का एहसास नहीं कर पाएगा और अपनी सारी ज़िन्दगी इसी पिंजरे में इंसानो के लिए गाते हुए बीता देगा।

Question 3:
'A letter from a pet bird to a bird outside': use your imagination and write.

Answer 3:
A pet bird communicates the feeling of living in a cage to the wild bird through this letter.

प्रश्न 4: अपने बचपन की किसी फ़ोटो / खिलौने / पुस्तक / पोशाक को देखते हुए आप अपने बीते हुए दिनों को किस रूप में याद करते हैं? लिखिए।

उत्तर- पुराने कपडे और तस्वीरों को देख कर हमे वो दिन हैं जब हम छोटे छोटे बच्चे हुए करते थे। यहाँ मैंने अपनी स्मृति साझा की जब मैं कक्षा 5 में थी और हमारे स्कूल के वार्षिक समारोह में नाटक में भाग लिया था। यह निश्चित रूप से बहुत सारी अद्भुत यादें वापस लाता है। हमने सुन्दर पोशाकें पहनी और प्रदर्शन किया। मुझे स्पष्ट रूप से याद है कि कैसे मैं घर पर परी वाली पोशाक पहनती थी और अपने परिवार के सदस्यों की इच्छाओं को पूरा करने के लिए परी होने का नाटक करती थी और कभी-कभी वे मेरे साथ भी थे। वास्तव में बचपन हमारे जीवन का सबसे अच्छा हिस्सा है, कोई देखभाल नहीं, कोई तनाव नहीं बस खेल और खुशी।

Question 4:
Look at any photograph / toy / book / dress of your childhood. Now trace the memory of your childhood and describe it.

Answer 4:

The memory of childhood with a doll is described here. It explains how this memory becomes so special.

The most memorable toy that I have ever had was the doll that was gifted to me by my mother. The doll was very beautiful with a pink color dress and dark brown hair. I used to play with that doll every day. The doll was gifted to me when I stood first in my class.

The doll was very special for me, I used to introduce the doll to all of my friends. I spent so much time with the doll that it soon became my best friend. I used to tell all the secrets to that doll and also how my day went. My mother used to stitch new clothes for the doll and I used to purchase amazing accessories.

Now when I think about the doll and how I used to spend my day, it seems funny but cute. This tends to be the sweetest memory of my childhood with the doll.

प्रश्न 5: वर्तमान समय में होने वाली हिंसक घटनाएँ गांधी जी से कुछ कहने को विवश करती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए गांधी जी को एक पत्र लिखिए।

उत्तर- महात्मा गांधी, एक सच्चे नेता और एक महान स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने हमारे देश को अपनी स्वतंत्रता वापस लेने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने उस समय के कई अन्य महान व्यक्तित्वों के साथ एक ऐसे भारत का सपना देखा जहां लोग खुश हैं, लोग प्रगतिशील हैं, लोग शिक्षित हैं और लोग मानवता के रास्ते पर चल रहे हैं। लेकिन जैसा कि हम देख सकते हैं कि आजकल युवा हिंसा का इस्तेमाल कर विरोध कर रहे हैं और अपनी नाराजगी दिखा रहे हैं। विरोध धीरे-धीरे दंगों में बदल रहा है। हाल ही में एक बिल पारित किया गया था और पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए थे, लेकिन जैसे ही युवाओं ने इसमें भाग लेना शुरू किया, यह दंगे में बदल गया, यहां तक कि खुली जनता में बंदूकें

भी दागी गईं। सबसे ज्यादा नुकसान देश की राजधानी में देखा जा सकता है। यह वह मार्ग नहीं है जिसे हमारे नेताओं ने तैयार किया था। जैसा कि मैं इस पत्र को महात्मा गांधी को लिख रही हूं, इसके बारे में बताने से मेरा दिल टूट जाता है कि हमारा देश कितना आगे आ गया है लेकिन अभी भी वही पुरानी लड़ाई लड़ रहा है, जो हम 70 साल पहले लड़ रहे थे। अभी भी हमारा देश हिंसा से मुक्त नहीं हुआ है। मुझे उम्मीद है कि नेता एक बार फिर हमारे देश को एक महान राष्ट्र बनने में मार्गदर्शन करेंगे, जो यह एक बार हुआ करता था।

Question 5:
The violence all around you compels you to share your feelings with Gandhiji. Keeping this in view write a letter to Gandhiji.

Answer 5: Mahatma Gandhi, a true leader and a great freedom fighter who guided our country to take back its independence. He along with many other great personalities of that time dreamed of an India where people are happy, people are progressive, people are educated and people are following the path of humanity. But as we can see nowadays youth are protesting and showing their displeasure by using violence. The protests are slowly turning into riots. Recently a bill was passed and there were protests across the country, but as youth started participating in it, it turned into a riot, with even guns being fired in open public. The maximum damage can be seen in the capital of the country. This is not the path our leaders prepared. As I write this letter to Mahatma Gandhi, it breaks my heart to reflect on how far our country has come but is still fighting the same old battles we were fighting 70 years ago. Still our country is not free from violence. I hope that the leaders will once again guide our country to become the great nation that it once was.

प्रश्न 6: 'सृजनात्मक लेखन तथा अनुवाद' की कक्षा में पहले दिन के अपने अनुभवों को लिखिए।

उत्तर- स्कूल ने अंतिम परीक्षा के बाद शुरू हुआ, हम सभी नए वर्ग में पदोन्नत हो गए। हमने अपने दिन की शुरुआत रसायन विज्ञान से की और उसके बाद हमारा रचनात्मक लेखन और अनुवाद की कक्षा थी। यह वास्तव में दिलचस्प कक्षा थी। हमें बहुत मज़ा आया।उन्होंने हमसे कहा कि हम एक ऐसी जगह के बारे में लिखें जहाँ हम जाना चाहते हैं और वहाँ क्या करना चाहते हैं यह भी लिखें। मैंने अपने सपनों के शहर के बारे में लिखा कि टोक्यो, जो कि जापान की राजधानी है। मैंने वहाँ के देखने वाले स्थानों के बारे में लिखा था, व्यंजनों के बारे में मैं विशेष रूप से उनके पारंपरिक मोची का स्वाद लेना चाहती हूँ जो चावल से बना होता है, और वहाँ का प्रसिद्ध चेरी ब्लॉसम पेड़ जिनमें सुंदर गुलाबी फूल होते हैं। यह स्पष्ट रूप से कहा जाता है कि रचनात्मक लेखन हमें बैठे-बैठे कई स्थानों पर ले जाता है। हम कितना रचनात्मक लिख सकते हैं यह इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी

कल्पना कितनी दूर तक जा सकती है। निबंध खत्म करने के बाद हमने इसे पूरी कक्षा के सामने पढ़ा। सभी ने अद्भुत स्थानों के बारे में लिखा है। ऐसा लग रहा था जैसे मैंने उनके लेखन के माध्यम से प्रत्येक स्थान का दौरा किया। यह बहुत अद्भुत कक्षा थी।

Question 6:
Narrate your experiences of the first day in the Creative Writing and Translation class.

Answer 6:

It was my first day at the Creative Writing and Translation class. I was nervous but also very excited about this class as I always have been interested in learning new things. When I entered the class, I was quite worried about what would happen in there. But as soon as the class started, my fear was all taken away and the excitement took over. We were firstly asked to describe ourselves in 100 words. I wrote everything about me including my hobbies, strengths and weaknesses. I also mentioned about my nature and how I have so many friends, why they love me and everything.

As soon as I read my passage in front of the whole class describing about myself, everybody clapped for me and my confidence soon got boosted up because of the applause and compliments. Then we were given a passage in Hindi and were asked to convert into English. We did as we were told to do. Everybody tried their best but to my surprise, I was the one who made least mistakes and was closest to write the exactly translated passage. I was really happy to attend the class and I really enjoyed doing the activities as well. My teacher was also quite impressed by my writing skills on the very first day because of which she made me a member of the junior literary club of the school.

प्रश्न 7: सृजनात्मकता हमारे चारों तरफ़ बिखरी हुई है, लेकिन हम इसे अक्सर महसूस नहीं कर पाते। क्या आपने कभी इस पर विचार किया? कक्षा में चर्चा कीजिए।

उत्तर- "रचनात्मकता कुछ नया लाने की प्रक्रिया है। रचनात्मकता के लिए जुनून और प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। यह हमारी जागरूकता को लाता है जो पहले छिपा हुआ था और नए जीवन की ओर इशारा करता है। अनुभव बढ़े हुए चेतना में से एक है: परमानंद। " - रोलो मे, द करेज टू क्रिएट रचनात्मकता को महसूस करने की जरूरत है। हमें प्रकृति द्वारा निर्मित अद्भुत घटनाओं का अनुभव करने के लिए अपने दैनिक जीवन से समय निकालना चाहिए। बारिश जैसी जटिल चीजों को गाने वाले पक्षियों की तरह छोटी चीज़ों में रचनात्मकता पाई जा सकती है। सब कुछ हमें रचनात्मकता के इस उपहार का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। हम अपने दिन-

प्रतिदिन के जीवन में इतने व्यस्त हैं कि हम अक्सर जीवन में छोटे चीज़ों पर ध्यान देना भूल जाते हैं। रचनात्मक प्रेरणा आपको तुरंत नहीं मिलती है, लेकिन अगर आप आराम करने के लिए हर रोज सिर्फ पांच मिनट का समय लेते हैं और अपने मन को थोड़ा भटकने देते हैं, तो आप पाएंगे कि रचनात्मक प्रेरणा आपको अंततः आ जायेगा, आप स्वाभाविक रूप से तरीके खोजने लगेंगे। रोजमर्रा की जिंदगी को थोड़ा विराम दे कर अपनी रचनात्मकता को बढ़ावा देना चाहिए।

Question 7:
There is creativity all around us but most of the time we don't notice it. Have you ever reflected on this? Discuss in class.

Answer 7: Creativity is defined as the ability to create, develop or produce something with making the use of one's skills and imagination. There is creativity all around us. We all are surrounded by creativity reflected in some or the other way. And if you ever think deeply then you will notice and realize that the biggest creativity is human itself. God has created us all showing so much of creativity. If you see things around you carefully, you'll realize that everything around us is made up of so much of creativity whether it is a dead leaf, a blooming flower, a cloud, the sky, the trees and everything.

I realized all this when one day I was going to my college and a wall caught my attention. That wall was completely doodled up with bright colors and amazing little detailed artworks. I didn't get enough time to praise it as I was sitting in an autorickshaw but that picture of the wall got captured in my mind. We usually don't pay much attention towards the hidden creativity present around us but we sometimes are drawn towards them all by ourselves. This is the beauty of nature. We as laypersons are unable to give enough of our time to appreciate the creativity of God or of human beings but the painters, artists, writers and poets notice everything in detail and try their best to portray that creativity in their respective works.

Not only this but also, they show their own creativity while doing so. Isn't it amazing how people reflect their own creativity in reflecting somebody else's creativity. We hardly get a chance to appreciate such creativity but we should surely try to praise the people around us who are creative. In fact, each one of us creative in our different ways. A housewife shows creativity in decorating her house and planning everything carefully and smartly, a child shows creativity in making different patterns using colors, all the working people show creativity in their respective fields. Truly we are surrounded with a lot of creativity.

प्रश्न 8: अपने एक दिन के अनुभव डायरी में लिखें-

- **स्कूल में**
- **परीक्षा से पहले**
- **प्रिय मित्र से अनबन**

उत्तर- दिए गए तीन परिस्थिति में से एक पर डायरी लेखन करना है।

प्रिय डायरी,

आज मेरा बहुत बुरा दिन था क्योंकि मैंने अपने दोस्त के साथ लड़ाई कर ली। दरअसल हम एक खेल खेल रहे थे और हम बहस में पड़ गए। वह खेल का एक अलग नियम कह रही थी और मैं अलग कह रही था। मुझे पता था नियम क्योंकि मैंने अपनी बहन के साथ यह बहुत खेल खेला है। लेकिन मेरी दोस्त मेरी बात नहीं सुन रही था। मैंने उसे समझाने की कोशिश की लेकिन वह अपने विचार पर अड़ी रही। दोस्ती में आपको दूसरों की राय भी सुननी चाहिए। लेकिन वो मेरी बिल्कुल भी नहीं सुन रही थी। मैं बहुत गुस्से में थी। हमने पूरे दिन एक-दूसरे से बात नहीं की। लेकिन अब मुझे लग रहा है कि मुझे उससे माफी मांगनी चाहिए क्योंकि मेरी भी कुछ गलती थी। हमें खेल की शुरुआत में ही नियमों पर चर्चा करनी चाहिए थी। मैं बहुत विवादित हूं, मुझे माफी मांगनी चाहिए या मुझे उसकी माफी का इंतजार करना चाहिए। मैं इस पर अपनी बहन की राय पूछूँगी लेकिन मुझे अभी बहुत बुरा लग रहा है। मैं अपने दोस्त के साथ जल्द से जल्द यह मसला सुलजाहूँगी। अब मैं सोने जा रही हूँ।

शुभ रात्रि डायरी!

Question 8:
Make a diary entry of your experience of a day

- in school.
- just before the examination.
- when you differed from your friend

Answer 8:

Diary entry is written by an individual to write about the experience or feeling of particular days. The experience in the school just before the exam is described through the diary entry.

प्रश्न 9: कल्पना कीजिए कि किसी एक बैंक लॉकर / दादी या नानी के बटुए / कैशियर के डिब्बे /रिक्शा चालक की जेब में विभिन्न प्रकार के रुपये और सिक्के बोल सकते, तो उनके बीच क्या संवाद होता? लिखिए।

उत्तर- कुछ वार्तालाप हैं जो दादी के बटुआ में 1 रुपए 2 रुपए 5 रुपए और 10 रुपए के सिक्के के बीच हो रही हैं। वे बात कर रहे हैं कि इन वर्षों में कैसे मूल्य में कमी आई है। पहले ऐसी बहुत सी चीजें थीं जो बच्चे 1 रुपए और 2 रुपए में खरीदते थे लेकिन अब उनका इस्तेमाल शायद ही कभी किया जा रहा है। यहां तक कि 5 रुपये का सिक्के का भी कम महत्व का हो गया है। उपरोक्त वार्तालाप में उन्होंने डिजिटल भुगतान के बारे में भी बात की है कि कैसे लोग कम राशि के लिए भी उनका उपयोग कर रहे हैं। खरीद का समय आने तक उन्होंने वहाँ बातचीत जारी रखी।

Question 9:
Imagine that the currency notes and coins of different denominations in a bank locker/grandma’s purse/cashier’s box/a rickshaw puller’s pocket could speak. What would they speak about themselves? Write in the form of a dialogue.

Answer 9:

There are certain conversations which are taking place between the coins of Rs.1, Rs.2, Rs.5 and Rs.10 in grandmother's wallet. They are talking about how the value has come down over the years. Earlier there were many things which children used to buy for Re 1 and Re 2 but now they are rarely used. Even the 5 rupee coin has become of lesser importance. In the above conversation he has also talked about digital payments and how people are using them even for small amounts. They continued to negotiate there until the time of purchase came.